NH Short-note-2

दिल्ली में तीस-हजारी का नाम "तीस-हजारी" कैसे पड़ा?:

पंजाब में 12 'मिसलें' होती थीं जिनमें 10 'मिसलें' जाटों की थीं। करोड़िया मिसल के सरदार बघेलसिंह ढिल्लों थे, जिन्होंने सन् 1790 में दिल्ली पर धावा बोल दिया और मुगलों को हराकर लालकिले पर चढ़ जीत का डंका जा बजाया| जीत के बाद इनकी तीस हजार फौज ने जहाँ कैम्प लगाया उसी जगह को आज तीस हजारी कहते हैं और आज वहीं दिल्ली का तीस हजारी कोर्ट है।